प्रेगक,

असर सिंह, उप अधिक. उत्तरांचल शासन ।

संवा में.

महानिदेशक.

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,

उत्तरांचल देहरादून ।

निकित्सा अनुभाग-4

देहरादून, दिनांक : 23 नवम्बर, 2005

विषय: वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-12 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत पुर्नविनियोजन की स्वीकृति महोदय.

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-5प/8/44/2005-06/22412 दिनांक 03.10.2005 के संदर्भ मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2005-06 में सचिवालय तथा उत्तरांचल निवास नई विस्त्ती में राजकीय एलोपैथिक औषधालय के स्थापना के अन्तर्गत वेतनादि मदों में संलग्न प्रपन्न बी0एम0-15 के विवरणानुसार रू० 9,00,000.00(रू० नौ लाख मात्र) की धनराशि की उपलब्ध बचतों के व्यवर्तन द्वारा व्यय की सहर्ष स्वीकृत प्रदान करते हैं।

- उक्त व्यय उसी मद् में किया जायेगा जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है।
- उकत व्यय वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनागत, 01-शहरी स्वास्थ्य से<mark>वार्ये-</mark>पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति, 110-अस्पताल तथा औषधालय, 16-मचिवालय तथा उत्तरांचल निवास नई दिल्ली में राजकीय एलोपैथिक औषधालय के स्थापना,, 01-वेतन, 03-महंगाई शता, 06-अन्य भत्ते, 48-महंगाई वेतन के नामें डाला जायेगा तथा संलग्न पुर्नविनियोग के कॉलम-1 की बचतों से
- 4- यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-१०९/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2005 दिनांक 20.11.2005 में प्राप्तः सहमति से जारी किये जा रहे है।

संलग्न यथोकतः

भवदीय,

(अतर सिंह)

उप सचिव

सं0-510(1)/xxv111-4-2005-54/2005 तद्दिनांकित 1

- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून ।
- वरिष्ठ कोपाधिकारी, देहरादून । 12-
- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3 । 3-
- चजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून । 4-
- समस्त केला भिकारी, उत्तरांचल । 5
- आप्कत कुमांयु / गढ्वाल मण्डल उत्तरांचल
- गार्ड फाईल ।

उप सचिव

प्रमार - 158 अनुतान करना-12

नियंक अधिकाते ! बी०एम०-१५

महानिवंशक, विकासमा न्यास्थ्य एवं परिवार कल्यान, वलग्रमा स्ट्राइन

(चित्तीय वर्ष 200_-06)

पुर्निवित्यांतन का आवंदक पत्र (हंकार रूपये

याग-42-31-4 국내 207860 परियोजनाएं -9701-हेल्य सिस्टम औषधालय परिवाजनाएं । 97-वाह्य सहायातत संवाय-पारचात्य चिकित्स 01-राहरी स्वास्थ्य 110-अस्पवाल तथा 나를 다 लेखाराधिक का विवरण बंबर प्राविधान तथा स्वास्त्र -आवाननात 2210-चिकित्सा तथा लोक (मानक मद) 207860 अध्यावधिक मानक मर्बार 10000 10000 1 192860 वित्तीय वर्ष को 192860 शंष अवधि में 5000 5000 अवश्र धनराशि (सरप्तस) 4 48-महगाई वेतन ०५-अन्य भत्त 03-महंगाई भता 01-여러 योग स्थापना एलोपीधक औषधालय के दिल्ली में राजकीय उत्तरांचल निवास नई 16- सचिवालय तथा ऑपधालय 110-अस्पताल तथा सेवाये-पारचात्य चिकित्सा 100 01-शहरी स्वास्थ्य स्वास्थ्य - आवाजनागत 2210-चिकत्सा तथा लोक स्थाननरित किया जाना है (मानक मह) धनरारिंग को लेखाशीयंक जिन्म 900 450 225 125 100 कुल धनराशि स्तम्भ-५ की के बार के पुर्न-विनियो जन 1500 375 190 750 185 6 के बाद अवरोध धनराशि (4-5) पुन-विनियोजन 4100 आवश्यकता है । पुनीवनियोजन मं रू० 9,00,000/-फलस्वरूप बेतन भा कारण व्यय भार ट परों के भर जाने 겝 प्राविधान कम तियार आय-व्यक्त 35 कारण वितान 2005-06 रिक्त 왕(1) तथा रि अभ्याकत 당 ज़

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुर्नीधनियोजन में जजट मैनुअल के परिल्छेद 150,151,155,156 में डिल्मिखित प्रतिबन्धों एवं सोपाओं का उल्लंधन नहीं होता है 🖵 👫 डिल्मिख

(अतर सिंह)

विता अनुभाग

संख्या- 109/ वित्त (व्यय नियंज्ञण) अनु0-3/2005

20 नवम्बर,2005 देहरादून: दिनांक:

पुनीवनियोजन स्वीकृत

एल एस एम न अपर सचिव

संवा में

माजरा सहारनपुर रोड्, देहरादून उत्तरांचल(लेखा एवं हकदारी) ओवरॉय बिल्डिंग, महालेखाकार,

सं0-510(1)/xxv111-4-2005-54/2005 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नीलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1. निदेशक, कोषगार एवं वित्त सेवाये, उत्तरांचल
 - 2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
 - 3. वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3

(अतर सिंह)

उत्तरांचल शासन